CLASS _VI

_____Sub _ HINDI

Ch _ 1

- **(साथी हाथ बढ़ाना। (कवि _साहिल लुधियानवी)**
- **साथी हाथ बढ़ाना**
- **एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना।**
- **साथी हाथ बढ़ाना**
- हम मेहनत वालों ने जब भी मिलकर कदम बढ़ाया
- सागर ने रास्ता छोड़ा पर्वत ने शीश झुकाया
- फ़ौलादी है सीने अपने फौलादी है बाहें
- हम चाहे तो चट्टानों में पैदा कर दे राहे,
- साथी हाथ बढ़ाना।
- **भावार्थ: _उपरोक्त पंक्तियों में कवि सबको मिलकर काम करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं अकेले काम करने से व्यक्ति थक जाएगा। उसका काम पूरा नहीं होगा। अतः हमें मिलकर काम करना चाहिए।। कवि हमें प्रेरणा देते हुए कहते हैं कि परिश्रमी व्यक्ति जब भी मिलकर कार्य किया है तो बड़ा से बड़ा कार्य भी संपन्न हुआ है। यदि हम मिलकर कार्य करती हैं तो समुंदर में भी रास्ता निकाल लेते है और पहाड़ को भी अपनी शक्ति से गिरा देती हैं अर्थात मिलकर कार्य करने की ठान ले तो रास्ते में आने वाली सारी कठिनाइयों को आसानी से पार कर जाते हैं हमारी सीना और बाहें लोहे के समान मजबूत है जो चट्टानों को भी तोड़ कर अपनी राह निकाल सकता है। अतः हमें मिलकर काम करना होगा**
-

मेहनत अपनी लेख की रेखा मेहनत

से क्या डरना ।

कल गैरों की खातिर की आज अपनी

खातिर करना,

अपना दुख भी एक है साथी अपना

सुख भी एक,

अपनी मर्जी सच की मर्जी अपना रास्ता नेक।

साथी हाथ बढ़ाना।

भावार्थ _ कवि कहते हैं कि परिश्रम से ही हम अपने भाग्य को बदल सकते हैं अथवा परिश्रम से हमें क्या डरना। हम दूसरों के लिए मेहनत करते रहते हैं आज हमें अपने लिए मेहनत करने की

आवश्यकता आन पड़ी है। हम मजदूरों का दुख सुख एक है, लक्ष्य एक है, हमारी मंजिल सच्चाई की राह से होकर जाती है अतः हमें सही राह पर चलने की आवश्यकता है।

एक से एक मिले तो कतरा बन जाता है दरिया

एक से एक मिले जरा तो बन जाता है सेहरा। एक से एक मिली राई तो बन सकता है पर्वत। एक से एक मिले इंसान तो बस में कर ले किस्मत।

साथी हाथ बढ़ाना।

भावार्थ _ उपरोक्त पंक्तियों में कवि प्रेरित करते हुए कहते हैं कि एक एक बूंद मिलकर नदी का रूप धारण कर लेते हैं। उसी प्रकार मनुष्य एक साथ मिलकर कठिन से कठिन लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकत। अतः हमें अपना लक्ष्य पाने के लिए मिलकर काम करना होगा।

शब्दार्थ 1 बोझ _ भार

२ फौलादी _ लोहे का

३ लेख की रेखा _किस्मत की रेखा

४ रस्ता _ रास्ता

५ सागर _ समुंद्र

६ गैरों _ पराई

७ खातिर _ के लिए

८ मंजिल _लक्ष्य

९ नेक _ अच्छा

१० कतरा _बूंद

११ दरिया _ नदी

१२. सेहरा _ रेगिस्तान

१३ राई _ सरसो

Chapter 2

चिट्ठी के अक्षर

इस पाठ में लेखक ने सीमा पर शत्रु के साथ युद्ध करते हुए, बम फटने के कारण कंधे तक अपना दाहिना हाथ खो देने वाले महिपाल सिंह की जिंदादिली और कर्मठता का वर्णन किया है। कठिन अभ्यास द्वारा बाएँ हाथ से सुंदर अक्षर लिखने वाले और संपादक बन चुके महिपाल सिंह ने सिद्ध कर दिया कि स्वस्थ चिंतन द्वारा विकलांगता की भावना पर विजय पाना संभव है

शब्दार्थ

1. चिट्ठी-पत्र

2. अक्षर - वर्ण

3. अनायास अचानक/ बिना प्रयास के

4 नियत _ निश्चित

5 सटीक _ जैसा चाहिए वैसा

6 दक्ष ,_ निपुण

7 _प्रत्यक्ष _ आंखों के सामने

व्याकरण ___ १ **विशेषण** _संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते ह जैसे _ लंबा ,मोटा ,बड़ा सुंदर , 2 किलो, तीसरा.....

विशेष्य _ जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं उन्हें विशेष्य कहते हैं।

तुकांत शब्द _ लगभग समान उच्चारण वाले शब्दों के प्रयोग को तुकांत शब्द कहते हैं। जैसी बढ़ाना थाना।

संयुक्त व्यंजन _ जब दो व्यंजनों के बीच कोई स्वर नहीं होता और उन्हें संयुक्त रूप में लिखे जाते हैं तो उन्हें संयुक्त व्यंजन कहते हैं। जैसे _ पत्ता, रास्ता, किस्मत.....।

अनुस्वार _ यदि पांचवी वर्ण के बाद वाला वर्ण उस वर्ग का कोइ अन्य वर्ण हो तो उस पाचवी वर्ण की जगह बिंदु का प्रयोग किया जाता है जिसे अ नुस्वार कहते हैं। अनुस्वार पांचवी वर्ण से पहली वाला वर्ण पर लगाया जाता है जैसी अंबर गंदा पंचम .....

चंद्रबिंदु _ जब किसी वर्ण को बोलते समय आवाज मुंह एवं नाक दोनों से निकलती है तो उस वर्ण के ऊपर चंद्रबिंदु लगाया जाता है ।चंद्रबिंदु को व्याकरण में अनुनासिक कहते हैं।